British Columbia's
Office of the Human Rights
Commissioner

बी.सी. की *मानवाधिकार संहिता* : सेवाएं

प्रेजेन्टर के नाम

एजेंडा

- उद्घाटन और परिचय
- बी.सी. की *मानवाधिकार संहिता* (*संहिता*) का परिचय
- संरक्षित क्षेत्र के रूप में सेवाएं
- ट्रिब्यूनल से वास्तविक जीवन की कहानियां
- प्र और उ - निष्कर्ष में

**याद रहे: हम सार्वजनिक जानकारी प्रदान कर रहे हैं न कि कानूनी सलाह।*

सीखने के मकसद

इस सत्र के अंत तक आप निम्न में सक्षम होंगे:

- बी.सी. की *मानवाधिकार संहिता* को अन्य मानवाधिकार कानूनों में स्थान दे सकेंगे
- बी.सी. की मानवाधिकार प्रणाली में प्रयुक्त होने वाले शब्दों को पहचान सकेंगे
- बी.सी. की *मानवाधिकार संहिता* के तहत भेदभाव की पहचान कर सकेंगे
- इस बात की पहचान कर सकेंगे कि मानवाधिकारों संबंधी शिकायतें करने के लिए किन संरक्षित व्यक्तिगत विशेषताओं का उपयोग किया जा सकता है

हम हैं...

बीसी मानवाधिकार आयुक्त का कार्यालय

हमने 17 साल की गैर-मौजूदगी के बाद 2019 में दोबारा काम-काज शुरू किया था।

हमारे पास इन स्थानों पर कर्मचारी हैं...

प्रिंस जॉर्ज, केलोना, वैंकूवर और विक्टोरिया

British Columbia's
Office of the Human Rights Commissioner

हमारा जनादेश

बी.सी. में असमानता, भेदभाव और अन्याय के मूल कारणों को कानूनों, नीतियों, प्रथाओं और संस्कृतियों में बदलाव करके दूर करना। हम यह काम शिक्षा, अनुसंधान, सिफारिश, पूछताछ और निगरानी के माध्यम से करते हैं।

फोटो: बी.सी. मानवाधिकार आयुक्त कसारी गोवेंदर

बी.सी. में मानवाधिकार

बी.सी. मानवाधिकार क्लीनिक (और अन्य)

लोगों को ट्रिब्यूनल के समक्ष शिकायतें पेश करने में सहायता देता है

बी.सी. मानवाधिकार ट्रिब्यूनल*

लोगों की शिकायतों की सुनवाई और उन पर फैसला करता है*

बी.सी. मानवाधिकार आयुक्त का कार्यालय

भेदभाव के मूल कारण पर कार्रवाई करता है

*यदि आप किसी यूनियन से जुड़े हैं और कार्य स्थल पर आपके साथ भेदभाव हुआ है, तो आप अपनी यूनियन से संपर्क कर सकते हैं। यूनियन मानवाधिकार मुद्दों को लेकर शिकायतें दर्ज करने में कर्मचारियों की मदद कर सकती हैं।

सेवा प्रदाता के रूप में आपके कर्तव्य

सेवा प्रदाता के रूप में, बी.सी. की मानवाधिकार संहिता का पालन करना आपका कर्तव्य है।

मानवाधिकार 101 वीडियो

https://www.youtube.com/watch?v=-1Kxw5g-TMc

मानवाधिकारों के तीन स्तर

मैं कहां संरक्षित हूं?

क्षेत्र

संहिता दैनिक जीवन के कुछ **क्षेत्रों** में भेदभाव पर रोक लगाती है।

क्या संरक्षित है?

विशेषताएं

उन **क्षेत्रों** में व्यक्तिगत **विशेषता**ओं के कारण किसी व्यक्ति के साथ भेदभाव करना अवैध है।

रोजगार

आवास

आयु, आपराधिक दोष सिद्धि,
लिंग पहचान या अभिव्यक्ति,
पारिवारिक स्थिति, वैवाहिक स्थिति
वंश, रंग, उत्पत्ति का स्थान, जाति,
मानसिक विकलांगता, शारीरिक अपंगता,
सेक्स, यौन झुकाव,
आय का स्रोत, देशज पहचान
राजनीतिक धारणा, धर्म

सेवाएं

प्रकाशन

बी.सी. की मानवाधिकार संहिता	रोजगार	सेवाएं	आवास – किराएदार	आवास – खरीदार
वैवाहिक स्थिति	✓	✓	✓	✓
धर्म	✓	✓	✓	✓
लैंगिक पहचान/अभिव्यक्ति	✓	✓	✓	✓
जाति	✓	✓	✓	✓
रंग	✓	✓	✓	✓
मूल निवास	✓	✓	✓	✓
नस्ल	✓	✓	✓	✓
अपंगता	✓	✓	✓	✓
लिंग	✓	✓	✓	✓
यौन झुकाव	✓	✓	✓	✓
देशज पहचान	✓	✓	✓	✓
आयु	✓	✓	✓	
पारिवारिक दर्जा	✓	✓	✓	
आपराधिक दोष सिद्धि	✓			
राजनीतिक धारणा	✓			
आय का वैध स्रोत			✓	

प्र & उ रिमाइंडर

भेदभाव क्या है?

निजी विशेषता से संबंधित **हानिकारक व्यवहार** के लिए प्रयोग किया जाता है।

बी.सी. की *मानवाधिकार संहिता* के तहत किसी व्यक्ति के साथ भेदभाव हुआ है अगर निम्नलिखित सभी सत्य हैं:

1. उनके पास संहिता के तहत संरक्षित निजी विशेषता(एं) हैं
2. उन्होंने नुकसान का अनुभव किया है (इसे "प्रतिकूल प्रभाव" के रूप में भी जाना जाता है)
3. उनकी निजी विशेषता(एं) नुकसान का कारक हैं

भेदभाव क्या नहीं है?

हालांकि भेदभाव में **हानिकारक व्यवहार** होता है, लेकिन व्यवहार में हर अंतर भेदभावपूर्ण नहीं है।

सेवा प्रदाताओं के लिए न्यायसंगति

सेवा प्रदाता भेदभावपूर्ण लगने वाली किसी कार्रवाई को निम्न तीन बातों को सत्य दिखाकर उचित ठहरा सकता है:

- उस आचरण के लिए आवास या व्यवसाय संबंधी वैध उद्देश्य था
- यह आचरण इसलिए किया गया क्योंकि उन्होंने सोचा कि उनके उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए यह आवश्यक था
- अनुचित कठोरता के बिंदु पर पहुंचे बिना समायोजित करना असंभव था

समायोजित करने का कर्तव्य

दो महत्वपूर्ण सिद्धांत:

- बाधाओं को दूर करने के लिए सभी उचित प्रयास करने का कर्तव्य ताकि आपकी सेवाओं का उपयोग करने वाले समान रूप से भाग ले सकें
- पूछताछ करने का कर्तव्य

अनुचित कठोरता

...वह बिंदु है जिस पर वह सब कुछ
किया जा चुका है, जो उचित
रूप से संभव है,

और

सेवा प्रदाता से और अधिक करने
की अपेक्षा करना अनुचित होगा।

उपाय

उपाय मुआवजे का एक स्वरूप है - न कि केवल वित्तीय - जब किसी के पास मानवाधिकार की उचित शिकायत हो।

ट्रिब्यूनल से वास्तविक जीवन की कहानियां

क्या आपको याद है कि भेदभाव की पहचान कैसे की जाए?

बी.सी. की *मानवाधिकार संहिता* के तहत किसी व्यक्ति के साथ भेदभाव हुआ है यदि निम्नलिखित सभी सत्य हैं:

1. उनके पास संहिता के तहत संरक्षित निजी विशेषता(एं) हैं
2. उन्होंने नुकसान का अनुभव किया है (इसे "प्रतिकूल प्रभाव" के रूप में भी जाना जाता है)
3. उनकी निजी विशेषता(एं) नुकसान का कारक हैं

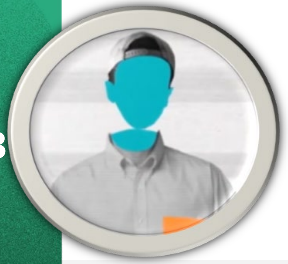

प्रकरण परिदृश्य #1: सुधार केंद्र सेवाएं

- जोनाथन देशज निवासी हैं।
- वह देशज आध्यात्मिक प्रथाओं में विश्वास करते हैं और उनमें भाग लेते हैं।
- कारावास के दौरान, उन्होंने विभिन्न संस्थानों में अलगाव में काफी समय बिताया।
- इन सभी संस्थानों ने कहा कि वे नेटिव लाइजन वर्कर्स के माध्यम से कैदियों को देशज आध्यात्मिक सहायता प्रदान करते हैं।
- अलगाव में रहते हुए, जोनाथन ने देशज साहित्य की मांग की जिसमें ऐसे साहित्य और नेटिव लाइजन तक पहुंच शामिल है।
- उन्हें शुरूआत में बताया गया था कि नेटिव लाइजन वर्कर उनसे मुलाकात के लिए आएंगे, लेकिन जेल अधिकारियों ने उनके बाद के अनुरोधों का कोई जवाब नहीं दिया।
- दो साल की अवधि के दौरान बार-बार अनुरोध करने के बावजूद, जोनाथन को इस संबंध में कोई सहायता प्राप्त नहीं हुई, और वे अलगाव की स्थिति से बाहर निकल गये।
- हालांकि, जब उन्होंने ईसाई पादरी से मिलने और ईसाई साहित्य दिये जाने के लिए कहा, तो उचित समय के भीतर पादरी से उनकी मुलाक़ात करा दी गयी।

प्रकरण परिदृश्य #2: किराने की दुकान

- लॉर्डेस कानूनन नेत्रहीन हैं और अपनी दैनिक आवश्यकताओं के लिए वह एक गाइड डॉग का इस्तेमाल करती हैं।
- एक दिन वह अपने गाइड डॉग के साथ एक स्टोर में दाखिल हुईं।
- उन्हें दुकान के प्रवेश द्वार पर रोक दिया गया और कुत्ते के कारण प्रवेश करने की इजाजत नहीं दी गई।
- सुरक्षा गार्ड ने कुत्ते की पहचान के लिए उनसे सवाल किया।
- लॉर्डेस ने दावा किया कि कुत्ते के पट्टे के ऊपर "गाइड डॉग फाउंडेशन" लिखा हुआ था और वह रस्सी से बंधा था, जबकि सिक्योरिटी गार्ड ने दावा किया कि यह सच नहीं था।
- लॉर्डेस के पास कुत्ते की कोई अन्य पहचान नहीं थी।
- इस घटनाक्रम से लॉर्डेस बहुत विचलित हो गईं।
- आखिरकार उन्हें स्टोर में जाने की इजाजत दी गई, लेकिन लॉर्डेस ने दावा किया कि उनके साथ इतना बुरा व्यवहार किया गया था कि भले ही उन्हें अंदर जाने की अनुमति दे दी गई, लेकिन उन्होंने उस दिन वहां खरीदारी नहीं करने का फैसला किया।

प्रकरण परिदृश्य #3: ड्राइवर लाइसेंस

- सिर की चोट के कारण अमल को बेहोशी के लक्षण होते हैं इसलिए न्यूरोलॉजिस्ट का मानना है कि उनका गाड़ी चलाना खतरनाक है।
- उनके न्यूरोलॉजिस्ट ने सिफारिश की है कि ड्राइव करने की उपयुक्तता निर्धारित करने के लिए वह एक रोड टेस्ट दें।
- परिणामस्वरूप, ड्राइविंग लाइसेंस ब्यूरो (ब्यूरो) को उनके लाइसेंस को बनाए रखने के लिए डॉक्टर की मेडिकल जांच रिपोर्ट (डीएमईआर) और रोड टेस्ट पूरा करने की आवश्यकता होती है।
- वह रोड टेस्ट पास करती हैं और ड्राइव करने के लिए सुरक्षित मानी जाती हैं।
- इसके बाद, ड्राइव करने के लिए उनकी फिटनेस की निगरानी जारी रखने के लिए ब्यूरो चाहता है कि वह हर दो साल में DMER लेने की शर्त पूरी करें।
- अमल का कहना है कि ब्यूरो को इस चल रही आवश्यकता की कोई आवश्यकता नहीं है।
- वह कहती हैं कि उनकी चिकित्सा स्थिति वाले लोगों की रूढ़िवादिता के आधार पर यह शर्त उनके लिए एक अतिरिक्त बाधा है।
- वह यह भी कहती हैं कि रिपोर्ट भावनात्मक रूप से उन्हें प्रभावित करती है और उन पर वित्तीय बोझ डालती है।

हमने किन बातों पर गौर किया

- अन्य मानवाधिकार कानूनों में बी.सी. की *मानवाधिकार संहिता* को अवस्थित किया
- बी.सी. मानवाधिकार प्रणाली में इस्तेमाल होने वाले शब्दों की पहचान की
- बी.सी. की *मानवाधिकार संहिता* के तहत भेदभाव की पहचान की
- मानवाधिकार संबंधी शिकायतें करने के लिए किन संरक्षित निजी विशेषताओं का उपयोग किया जाए, की पहचान की

प्र & उ

British Columbia's
Office of the Human Rights
Commissioner

धन्यवाद

अधिक संसाधनों के लिए **bchumanrights.ca** पर जाएं या सोशल मीडिया **@humanrights4bc** पर हमें खोजें

हमें ईमेल करें:
info@bchumanrights.ca